(Information Resource Centre)

Publication : Dainik Jagran

Edition : Kolkata

Date : 26-June-08 **Page no. : 4**

कागज महंगा होने से कार्टून इकाइयों पर गहराया संकट

- उत्पाद शुल्क घटाकर आठ फीसदी करने की मांग

जागरण ब्यूरो, कोलकाता : कागज, गोंद, तार आदि के दाम बढ़ने से पूर्वी क्षेत्र की कार्टून (कोरुगेटेड बाक्स) बनाने वाली इकाइयों पर संकट गहरा गया है। इसके मद्देनजर कार्टून निर्माताओं के संगठन इस्टर्न इंडिया कोरुगेटेड बाक्स मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने सरकार अपनी समस्याओं के शीघ्र समाधान की गुहार लगायी है।

बुधवार को कोलकाता में संगठन की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हेमंत सरावगी ने पत्रकारों को बताया कि पश्चिम बंगाल करीब डेढ़ सौ कोरुगेटेड बाक्स बनाने वाली इकाइयां हैं जो कच्चे माल के रूप में कागज, गोंद, तार, स्याही आदि का इस्तेमाल करती हैं। गत एक वर्ष में इनकी कीमतों में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है। मिसाल के तौर पर कागज के दाम 30 से 50 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसके अलावा गोंद, स्याही व स्टील तार के भी दाम काफी बढ़े हैं। इससे कोरुगेटेड बाक्स बनाने वाली इकाइयों की परेशानियां बढ़ गयी है। हालांकि कंपनियों ने इसके मुकाबले के लिए लागत को कम किया है। इसके बावजूद हालात बेकाबू हैं। उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर संगठन ने कोरुगेटेड बाक्स पर उत्पाद शुल्क मौजूदा 14 फीसदी से घटाकर आठ फीसदी करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि कागज पर फिलहाल उत्पाद शुल्क आठ फीसदी है। इसके अलावा संगठन ने कागज पर सीमा शुल्क शून्य करने की मांग की है।

इससे कोरुगेटेड बाक्स निर्माताओं को सस्ते में आयातित कागज उपलब्ध होगा जिससे उन्हें काफी राहत मिलेगी। इस मौके पर इस्टर्न इंडिया कोरुगेटेड बाक्स मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मिलन कुमार दे ने कहा कि कोरुगेटेड बाक्स निर्माता कार्टून की कीमत बढ़ाना चाहते हैं लेकिन उपभोक्ता तैयार नहीं हैं। इससे कार्टून निर्माताओं की दिक्कतें बढ़ गयी हैं।

वार्ता

संवाददाताओं को जानकारी देते हेमंत सरावगी जागरण